हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा 19 मार्च, 2019 को "अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस-2019" कार्यक्रम का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, हि. प्र. में 19 मार्च, 2019 को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस-2019 के उपलक्ष पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. सुशील कापटा, मुख्य अरण्यपाल, हि. प्र. वन विभाग, शिमला थे।

कार्यक्रम के आरम्भ में **श्री अश्वनी कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी,** विस्तार प्रभाग, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने संस्थान के निदेशक डॉ. वी.पी. तिवारी, आमंत्रित मुख्य वक्ता डॉ. सुशील कापटा तथा संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत करते हुए कहा कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार 21 मार्च, 2019 को राजपत्रित अवकाश होने के कारण 19 मार्च, 2019 को ही अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस-2019 का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता **डॉ. सुशील कापटा** ने अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस-2019 के कार्यक्रम के अवसर पर **वन और शिक्षा तथा वर्तमान परिदृश्य में इसके महत्व** पर प्रस्तुति के माध्यम से संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों का ज्ञानवर्धन किया। उन्होने सतत वन प्रबंधन पर चर्चा करते हुए हिमाचल प्रदेश के वनों के विभिन्न प्रकार, वनों को हो रहे नुकसान तथा वनों के प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही उन्होने हिमाचल प्रदेश वन विभाग द्वारा वन प्रबंधन एवं संरक्षण के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया। डॉ. कापटा ने कहा की वर्तमान में विभिन्न मंचों पर जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभावों पर चर्चा की जाती है और इसे एक ज्वलंत समस्या के रूप में देखा जा रहा है। उन्होने इसे एक वैश्विक समस्या बताते हुए इस दिशा में पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य कर रही सभी संस्थाओं को सयुंक्त प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उपस्थित समुदाय को संबोधित करते हुए **डॉ. वी. पी. तिवारी, निदेशक**, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने बताया कि लोगों में विभिन्न प्रकार के वनों की महत्ता के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए प्रतिवर्ष 21 मार्च को विश्व वन दिवस मनाया जाता है। प्रत्येक विश्व वन दिवस के लिए थीम का चयन Collaborative Partnership on Forests द्वारा किया जाता है जिसके सदस्य देशों ने 2017 में यह सहमति जतायी थी कि इस दिवस की थीम वर्ष 2030 के सतत्त विकास एजेण्डा हेतु वनों के योगदान को विशेष रूप से परिलक्षित करने का एक अवसर प्रदान करेगी। उन्होने कहा कि जून 2012 में रियो +20 सम्मेलन में सभी देशों ने एक सार्वभौमिक Sustainable Development Goals (SDGs) बनाने का प्रस्ताव इस आशय से पारित किया था कि यह एक आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय टिकाऊ भविष्य हेतु मार्ग प्रशस्त करेगा। वर्ष 2016 में सयुंक्त राष्ट्र संघ द्वारा स्वीकृत SDG में 17 विभिन्न उद्देशय अल्लेखित किए गए हैं। उन्होने कहा कि वन भूमि को अन्य प्रयोग हेतु परिवर्तित करने से वहाँ का landscape भूस्खलन, बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशील हो जाता है एवं जंगली उत्पाद से प्राप्त होने वाली आय कम हो जाती है जिससे SDG 15, SDG 11 एवं SDG 9 के लक्ष्य प्राप्ति में बाधा उत्पन्न होती है। वनों को काटने से कृषि उत्पादकता प्रभावित होती है जो कि भूख के प्रति लड़ने की हमारी क्षमता को कम कर SDG 2 के लक्ष्य की प्राप्ति में बाधक है।

वनों की महत्ता का उल्लेख करते हुए उन्होने कहा कि दुनिया का लगभग 30.7% भूभाग वनाच्छादित है और लगभग 1.6 बिलियन लोग अपनी जीविका के लिए वनों पर निर्भर हैं । साथ ही विश्व में 80% से अधिक जानवरों, पेड़-पौधों एवं कीट प्रजातियों का घर भी वन ही हैं । वर्तमान में हम प्रति वर्ष 13 मिलियन हेक्टेयर वनों को खो रहे हैं और शुष्क भूमि के क्षरण से 3.6 बिलियन हेक्टेयर भूमि रेगिस्तान में बदल गयी है । विश्व का 15% भूभाग वर्तमान में सरंक्षित है फिर भी जैवविविधता खतरे में है ।
इस बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए उन्होने कहा कि सूखे एवं रेगिस्तानीकरण के कारण हम प्रति मिनट 23 हेक्टेयर जमीन खो रहे हैं । जानवरों के 8300 प्रजातियों में 8% विलुप्त हो चुकी हैं और 22% विलुप्त होने की कगार पर हैं । 80000 से ज्यादा वृक्ष प्रजातियाँ हैं लेकिन उनमें से मात्र 1% प्रजातियों के मुख्य उपयोग पर ही विस्तृत अध्ययन हो पाया है । विकासशील देशों में 80% ग्रामीण लोग मूल हेल्थकेयर के लिए जड़ी बूटियों पर निर्भर हैं । अतः इस वर्ष का विषय " वन एवं शिक्षा " बहुत ही सामयिक एवं प्रसांगिक है ।

इस अवसर पर संस्थान द्वारा एक कविता पाठ का भी आयोजन किया गया जिसमें दस प्रतिभागियों ने भाग लिया । कुमारी मोनिका चौहान ने प्रथम, कुमारी नेहा शर्मा ने द्वितीय एवं कुमारी शिवानी शर्मा तथा शिवानी चौहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया I प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, शिमला (कार्यालय-2) द्वारा आयोजित किए जाने वाले वार्षिक समारोह में ग्रैंड फ़िनाले में भी अपनी प्रस्तुति देंगे I

अंत में डॉ. आर. के. वर्मा, प्रभाग प्रमुख, विस्तार प्रभाग, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, हि. प्र. ने संस्थान के निदेशक, आमंत्रित मुख्य वक्ता, संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों का इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया I

कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

मोनिका चौहान – प्रथम

नेहा शर्मा – द्वितीय

शिवानी चौहान – तृतीय

शिवानी शर्मा – तृतीय

मीडिया कवरेज़

अंतरराष्ट्रीय वन दिवस पर पंथाघाटी में कार्यक्रम

शिमला। पंथाघाटी स्थित हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान में मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के उपलक्ष्य पर कार्यक्रम करवाया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. वीपी तिवारी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र आम सभा ने वर्ष 2012 में 21 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय वानिकी दिवस के रूप में घोषित किया। 2016 से 2030 की अवधि में हासिल करने के लिए निर्धारित सतत विकास लक्ष्य में गरीबी खत्म करना, पर्यावरण की रक्षा, आर्थिक असमानता को कम करना और सभी के लिए शांति और न्याय के अलावा जलवायु परिवर्तन, आर्थिक असमानता, नवाचार, टिकाऊ उपभोग, शांति और न्याय जैसे नए विषय जोड़े गए हैं। सतत विकास लक्ष्यों में विकसित और विकासशील देशों के बीच कोई अंतर नहीं है और ये लक्ष्य सभी देशों को प्राप्त करने होंगे। सीसीएफ सुशील काप्टा, संस्थान के विस्तार प्रभाग प्रमुख डॉ. आर के वर्मा और अश्वनी कुमार इस दौरान मौजूद रहे।

शिमला में उठा वनों को हो रहे नुकसान का मुद्दा

दिव्य हिमाचल ब्यूरो - शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला में मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के आरंभ में अश्वनी कुमार सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी विस्तार प्रभाग हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने किया। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. वीपी तिवारी ने संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार 21 मार्च को राजपत्रित अवकाश होने के कारण 19 मार्च को ही अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के उपलक्ष पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने सतत् वन प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। हिमाचल प्रदेश के वनों के विभिन्न प्रकार वनों को हो रहे नुकसान तथा वनों के प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की ।

दिव्य हिमाचल Wed, 20 March 2019
https://epaper.divyahimac

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस मनाया

शिमला, 19 मार्च (ब्यूरो): हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (एच.एफ.आर.आई.) शिमला में अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस-2019 के उपलक्ष्य पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी विस्तार प्रभाग एच.एफ.आर.आई. अश्विनी कुमार ने बताया कि पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार 21 मार्च को राजपत्रित अवकाश होने के कारण 19 मार्च को ही अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मुख्य अरण्यपाल वन विभाग डा. सुशील कापटा ने सतत् वन प्रबंधन तथा वनों को विभिन्न कारणों से हो रहे नुक्सान की जानकारी दी।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Wed, 20 March 2019
https://epaper.punjabkesari.in/c/

दो दिन पहले मनाया वानिकी दिवस, आज होगी नेचर वॉक

राज्य ब्यूरो, शिमला : अंतरराष्ट्रीय वानिकी दिवस 21 मार्च को है। लेकिन हिमाचल वन अनुसंधान संस्थान (एचएफआरआइ) ने इसे दो दिन पहले ही मना लिया है। एचएफआरआइ ने तर्क दिया है कि 21 मार्च को अवकाश है। इस कारण कार्यक्रम उस दिन नहीं हो पाएगा। वहीं, वन विभाग भी 20 मार्च को कार्यक्रम आयोजित करेगा। स्कूली विद्यार्थियों के साथ नेचर वॉक होगी।

नेचर वॉक शिमला के ढली क्षेत्र के कैचमेंट क्षेत्र में होगी। एचएफआरआइ ने पंथाघाटी स्थित अपने सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया। इसके मुख्य वक्ता मुख्य अरण्यपाल डॉ. सुशील कापटा रहे। उन्होंने सतत वन प्रबंधन की जानकारी दी। उन्होंने वनों के प्रबंधन के लिए विभाग के माध्यम से चलाए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक समस्या है। इस समस्या के समाधान के लिए सभी संस्थाओं को संयुक्त प्रयास करने चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं संस्थान के निदेशक डॉ. वीपी तिवारी ने कहा कि सतत विकास के वैश्विक लक्ष्यों में गरीबी खत्म करना, पर्यावरण की रक्षा, आर्थिक असमानता को कम करना और सभी के लिए शांति व न्याय सुनिश्चित करना शामिल है।

****